Nai Dunia (Indore), 18th April 2023, Nai Dunia City, Page – I

दूसरे 'टेकआफ' के लिए तैयार हुआ आइआइटी

आइआइटी इंदौर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में गढ़ रहा कीर्तिमान, तैयार हो गए आधुनिक भवन

दूसरे चरण में सेंट्रल इंडिया की सबसे आधुनिक बिल्डिंगों के साथ ही सबसे बड़ा आडिटोरियम तैयार करने के बाद अब जारी तीसरा चरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। 2009 में इंदौर को जब आइआइटी की सौगात मिली थी उस समय देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (आइइटी) में किराये की बिल्डिंग में कक्षाओं की शुरुआत हुई थी। कुछ वर्ष में संस्थान ने अपने सिमरोल स्थित 500 एकड़ क्षेत्र में स्थापित कर लिया। शुरुआत में एक बिल्डिंग में इसका संचालन हुआ और अब आइआइटी इंदौर पूरी तरह खुद के साधनों पर संचालित हो रहा है। अब किसी भी बाहरी संस्थान के साधनों का उपयोग किए बिना शिक्षा और शोध कार्य हो रहे हैं। संस्थान ने अपनी दो बिल्डिंग और एक आडिटोरियम को विश्व स्तर के पैमानों पर तैयार किया है। देश के अन्य आइआइटी से इसे सबसे बेहतर बिल्डिंग और आडिटोरियम माना जा रहा है। संस्थान ने परिसर में 31 बिल्डिंग का निर्माण कर लिया है। दूसरे चरण का कार्य पूरा होने के बाद अब तीसरे चरण का कार्य शुरू हो चुका है। इसमें 1400 करोड़ रुपये से नई लैब, शोध संसाधन व अन्य सामग्री जुटाई जा रही है। अमृत सरोवर बनाया, जागिंग ट्रैक, प्राकृतिक एम्फीथिएटर और लैंडस्केपिंग के साथ 100 मीटर व्यास की झील का निर्माण किया जा रहा है।

आइआइटी इंदौर का भवन इतना भव्य व शानदार दिखाई देता है। सौ. आइआइटी

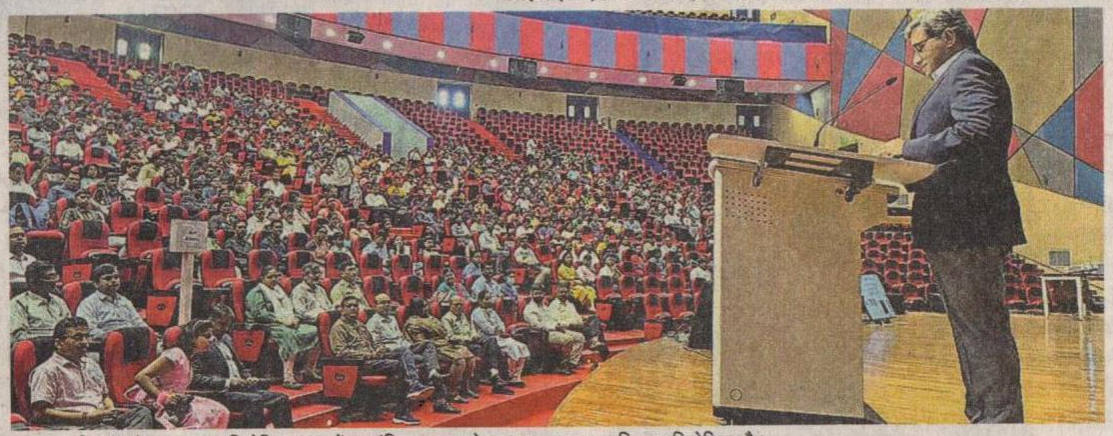

आइआइटी इंदौर में नया बना आडिटोरियम अब सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा, भव्य व अत्याधुनिक आडिटोरियम है।

तेजी से बढ़ती जा रही विद्यार्थियों की संख्या

संस्थान में दस से 12 वर्षों में विद्यार्थियों की संख्या दो हजार हो गई है जबकि आइआइटी बांबे में इतने विद्यार्थी होने में काफी वर्ष लग गए थे। संस्थान ने आधुनिक केंद्रीय पुस्तकालय, आनलाइन सूचना संसाधनों से लैस लर्निंग रिसोर्स सेंटर स्थापित किया है। विद्यार्थियों के लिए दस हजार से ज्यादा इलेक्ट्रानिक किताबों का नेटवर्क बना लिया है। एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, आइईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी और कई तरह के साधन जुटा लिए गए हैं। संस्थान ने परिसर में ही बैंक और एटीएम के अलावा केंद्रीय विद्यालय की स्थापना भी कर ली है। विकास के तीसरे चरण के तहत सिमरोल के आसपास के गांवों को गोद ले लिया है। इसके तहत टीम बच्चों को पढ़ाने व आधुनिक खेती सिखाने गांव जाती है।

होस्टल ऐसे कि होटल भी फीके

आइआइटी इंदौर ने विद्यार्थियों के लिए आधुनिक होस्टलों का निर्माण इस तरह से किया है कि उन्हें पर्सनल फ्लैट का अहसास हो। होस्टल के कमरों के अंदर ही सोफा-सेट, गैस, गीजर, फ्रीज, गैलरी और कई सुविधाएं दी गई हैं। यही कारण है कि ज्यादातर विद्यार्थी परिसर के अंदर ही रहना पसंद कर रहे हैं। सुपर मार्केट, रेस्टोरेंट, कैफे और खेल सुविधाओं के लिए हाल ही में एक आधुनिक खेल मैदान की सौगात भी विद्यार्थियों को दी गई है। परिसर में एपीजे अब्दुल कलाम, होमी जहांगीर भाभा, विक्रम साराभाई, सीवी रमन और देवी अहिल्या निवास नाम से होस्टल का संचालन हो रहा है।

देश के नक्शे पर उभर रहा संस्थान

कोरोना काल में संस्थान को विश्व स्तर पर सबसे बड़ी सौगात मिली। संस्थान को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए शोध करने के लिए ग्लोबल पैंडमिक हब बनाया गया है। इसमें यूनेस्को का साथ मिल रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में इंजीनियरिंग संस्थानों में आइआइटी इंदौर टाप- 10 रैंक में शामिल होता रहा है। आइआइटी इंदौर के सूचना अधिकारी सुनील कुमार का कहना है कि संस्थान लगातार परिसर में नए साधन स्थापित कर रहा है। इसमें भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विश्व स्तर के साधन जुटाए जा रहे हैं।